विप्र कला-वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय

जी. ई. रोड, रायपुर (छ.ग.)

"विप्रारोह"

Monthly E-Bulletin July-August 2024

पंजीयन क्र. 17951

मासिक अंक जुलाई-अगस्त २०२४

विप्र कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रायपुर: विप्र कला ,वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय मे छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सुगम क्रियान्वयन और संवेदीकरण विषय के अंतर्गत कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता प्रो. समीर भार्गव (विभाग अध्यक्ष महाराजा मानसिंह महाविद्यालय ग्वालियर) ने मध्य प्रदेश में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पूरी प्रक्रिया को विस्तार पूर्वक समझाते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य मैकाले की क्लर्क बनाने वाली शिक्षा पद्धति को पूर्णता समाप्त करना है ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को पूर्णता स्वावलंबी बनाने के लिए कौशल विकास पर जोर दिया गया है। यह भारत सरकार का बहुउद्देशीय प्रोजेक्ट है। उन्होंने बताया कोरोना काल में भी हिम्मत करके राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने वाला मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है। इस वर्ष 3 वर्ष की डिग्री पूरा करके पहले बैच का परिणाम आ चुका है। प्रो. समीर भार्गव ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए प्राध्यापकों को परिवर्तन के लिए तैयार होना होगा और इसके हिसाब से अपनी तैयारी करनी होगी। उसके बाद ही विद्यार्थियों का मार्गदर्शन संभव हो सकता है।

इस अवसर पर डॉ. गिरीशकांत पांडेय (पूर्व कुल सचिव पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर) ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2050 तक के लिए लागू किया गया है तथा इसका विश्लेषण 2040 के बाद ही किया जा सकता है। इसलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार विद्यार्थियों को तैयार करने की पूर्णता जिम्मेदारी शिक्षकों की है। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि वर्तमान सत्र से छत्तीसगढ़ के महाविद्यालय में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर महाविद्यालय के शिक्षकों से चर्चा करके शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुसार विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को अनुकूल बनाना उपरोक्त व्याख्यान माला का उद्देश्य है। क्योंकि मध्य प्रदेश भारत का पहला राज्य है जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सर्वप्रथम लागू किया गया। अतः वहां के वरिष्ठ प्रोफेसर समीर भार्गव का अनुभव निश्चित ही हमारे लिए लाभदायक होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने में आने वाले व्यावहारिक समस्याओं को ज्यादा अच्छे से हम उनके द्वारा समझ सकते हैं। इस अवसर पर विप्र कॉलेज समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहें।

रायपुर:. उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मास्टर ट्रेनर डॉ. कल्पना मिश्रा (गवर्नमेंट डिग्री गर्ल्स कॉलेज रायपुर) ने उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पूरी प्रक्रिया से अवगत करा शैक्षणिक व अशैक्षणिक सदस्यों को प्रशिक्षण दिया।

विप्र कला ,वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय मे छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सुगम क्रियान्वयन और संवेदीकरण विषय पर कार्यशाला श्रृंखला का प्राध्यापकों के प्रशिक्षण के साथ समापन हुआ। उच्च शिक्षा विभाग के मास्टर ट्रेनर डॉ. कल्पना मिश्रा ने प्रशिक्षण देते हुए मूल्यांकन पद्धति और क्रेडिट सिस्टम से अवगत कराया। अपने मूल विषय के साथ अपने रुचि के अनुसार वैकल्पिक विषय चयन पद्धति का उद्देश्य बताते हुए डॉ. कल्पना मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थी अपने रुचि के अनुसार अपने मूल विषय के अतिरिक्त एक विषय चयन कर उसकी पढ़ाई कर सकता है जो उसके कैरियर निर्माण में सहायक होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य कौशल विकास के साथ भारतीय मूल्य से अवगत कराते हुए सही अर्थ में अपने विद्यार्थियों को शिक्षित करना है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता प्राध्यापकों का सही प्रशिक्षण पर निर्भर करता है। क्योंकि विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन देने का कार्य अध्यापक ही करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. आराधना शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का संचालन निधि श्री शुक्ला ने किया। इस अवसर पर विप्र महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में डॉ. मेघेश तिवारी कार्य परिषद सदस्य बने

रायपुर : छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम के अंतर्गत कुलाधिपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा प्राचार्य संवर्ग से विप्र महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य एवं दमच कोर कमेटी के सदस्य डॉ.मेघेश तिवारी को कार्य परिषद का सदस्य मनोनीत किया गया है।

कार्य परिषद सदस्य के रूप में डॉ.मेघेश तिवारी के मनोनयन पर कुलाधिपति के प्रति आभार प्रकट करते हुए विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने बताया कि निजी महाविद्यालय की ओर से कार्य परिषद सदस्य के रूप में अवसर प्रदान करने के लिए विप्र महाविद्यालय परिवार उनके प्रति आभारी है ।सन 1996 से शिक्षा के क्षेत्र में नवीन मापदंड स्थापित करने वाले विप्र महाविद्यालय के लिए यह गौरव की बात है। विप्र कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने भी आभार प्रकट करते हुए पूर्ण निष्ठा के साथ अपने दायित्व निर्वाहन की बात की। शा. नागार्जुन विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीसी चौबे को भी कार्य परिषद का सदस्य मनोनीत किया गया है।

विप्र कॉलेज का 29 वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से हुआ संपन्न

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा आयोजित स्थापना दिवस समारोह सिद्धिविनायक मंदिर में आचार्य ब्रह्मचारी डॉ. इंदुभवानंद जी महाराज (प्रमुख शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला रायपुर) के सानिध्य में मोदक अर्चन, दूब अर्चन एवं हवन–पूजन मंत्रोच्चार और वैदिक रीति रिवाज से संपन्न हुआ।

जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने बताया कि विप्र महाविद्यालय का 29 वां स्थापना दिवस, विप्र पब्लिक स्कूल का सातवां स्थापना दिवस एवं सिद्धिविनायक मंदिर का छठवां स्थापना दिवस समारोह आचार्य धर्मेंद्र महाराज, महेंद्र महाराज के निर्देशन में सिद्धिविनायक को मोदक, व दूब अर्चन व हवन तथा ब्रह्मचारी डॉ. इंदुभवा नंद महाराज के आशीर्वचन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, अविनाश शुक्ला, आनंद पांडेय, भूपेंद्र शर्मा ,रविंद्र मिश्र,सुनील पाण्डेय,प्रकाश तिवारी एवं संजय दीवान एवं विप्र समाज के वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विप्र महाविद्यालय एवं विप्र पब्लिक स्कूल के समस्त प्राध्यापक गण और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भी स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित होकर आचार्य डॉ. इंदुभवानंद जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दिशा कॉलेज एवं विप्र कॉलेज द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 पर दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन

दिशा कॉलेज एवं विप्र कॉलेज द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 पर दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस के प्रथम दिवस कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजा अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर बलदेव भाई शर्मा वाइस चांसलर कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता यूनिवर्सिटी उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर जी ए घनश्याम जॉइंट डायरेक्टर डायरेक्टरेट ऑफ हायर एजुकेशन रायपुर एवं डॉ. डी. के. श्रीवास्तव ओएसडी डायरेक्टरेट ऑफ हायर एजुकेशन एवं डॉ. ए. के.तिवारी प्रिंसिपल दिशा कॉलेज एवं डॉ. मेघेश तिवारी प्राचार्य विप्र कॉलेज उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर बलदेव भाई शर्मा वाइस चांसलर कुशा भाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि ने अपने उदबोधन में नई शिक्षा नीति 2020 के विभिन पक्षों को बताया ,उन्होंने कहा भारत की राष्ट्रीयता का विकास एवं आध्यात्मिक चेतना के विकास की बात कही , शिक्षा का अर्थजीवन का निर्माण करना है विद्या जीवन को विवेकशील बनाती है।इस अवसर पर डॉ ए. के. तिवारी प्राचार्य दिशा कॉलेज में अपने उदबोधन में कहा की छात्रों को ज्यादा से ज्यादा अवसर प्रदान करें तभी विकास की अवस्था तक लाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि उठो जागो और तब तक प्रयास करते रहो जब तक आप अपने लक्ष्य को प्राप्त ना कर लो। उन्होंने चेतना के साथ–साथ शिक्षा पर जोर दिया नई शिक्षा नीति के तहत छात्रों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब हम एक अच्छी शिक्षा प्रदान करें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पारंपरिक शैक्षिक पाठ्यक्रम में एक महत्वपूर्ण बदलाव हेतु पाठ्यक्रम में नवाचार सफल प्रयास है इसी के साथ डॉ. मेघेश तिवारी प्राचार्य विप्र कॉलेज ने अपने उद्बोधन में नई शिक्षा नीति 2020 पर जोर देते हुए कहा कि यह एक अपने आप में एक नया बदलाव है जो प्रत्येक छात्रों के सर्वांगीण विकास के साथ उनमें मूल्यों को भी विकसित करेगा जो उसके भावी जीवन के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ. देवाशीष मुखर्जी प्राचार्य महंत कॉलेज, डॉ. कुलदीप दुबे प्राचार्य पेलोटी कॉलेज एवं एस. मिश्र प्रिंसिपल मेक कॉलेज एवं श्रीमती रश्मि पटेल प्रिंसिपल इंचार्ज विवेकानंद विद्यापीठ एवं डॉक्टर प्रफुल्ल व्यास विभाग अध्यक्ष साइंस विभाग, कन्वेनर डॉ. सौम्या तिवारी विभाग अध्यक्ष एजुकेशन डिपार्टमेंट दिशा कॉलेज एवं कन्वेनर डॉ दिव्या शर्मा विप्र कॉलेज, की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में सेशन चेयरपर्सन के रूप में डॉ. परविंदर हंसपाल प्रिंसिपल, डायरेक्टर मेटस स्कूल ऑफ एजुकेशन एवं डॉ. अरुण कुमार दुबे प्रिंसिपल कोलंबिया कॉलेज ऑफ एजूकेशन उपस्थित रहे। प्रथम दिवस भारत के 20 राज्यों से 300 प्रतिभागियों ने गुगल मीट एवं यू टयूब के माध्यम से हिस्सा लिया जिसमें से 80 प्रतिभागियों ने अपना प्रस्तुतीकरण ऑनलाइन और ऑफलाइन के माध्यम से दिया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रोफेसर जी ए. घनश्याम जॉइंट डायरेक्टर डायरेक्टरेट ऑफ हायर एजुकेशन ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषा से ही भारत है इसलिए भारत है शिक्षा वो नहीं जो ज्ञान देती है बल्कि ज्ञान का संचरण करती है प्रत्येक नागरिक में मानव के निर्माण की बात कही जिसके तहत उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति का हॉलिस्टिक डेवलपमेंट होना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ता डॉ डी. के. श्रीवास्तव ओएसडी डायरेक्टेड हायर एजुकेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की सुधार की आवश्यकता क्यों पड़ी पाठ्यचर्या व अध्यापन में सुधार कर चहुमुखी विकास की और कैसे बड़ा जाए। पाठ्यक्रम और अध्यापन का ढांचा आयु वर्ग और श्रेणी के अनुसार होना चाहिए। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. ए. पूजा नारायण द्वारा किया गया और कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन डॉ. सौम्या तिवारी विभागा अध्यक्ष शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के सभी प्राध्यापक गण उपस्थित थे।

NEP ambassador For new education policy 2020

Name : Piyush Verma
Father's Name
B.Sc. - I
Mob.:

Name : Tukesh Yadav
Father's name :- Lt. Ganesh Yadav
B.Com. - I
Mob:- 7024467089

Name : Radha
Father's name:- Dilip Kumar
B.Com. - I
Mob:- 6295611416

Name :- Mahak Talreja
Father's name :- Amar Lal Talreja
Class :- BBA-I
Mob:- 7024632425

Name :- Priyanshu Kumar Pathak
Father's name :-Akhileshwar Pathak
Class :- BBA - I
Mob:- 9981510917

Name :- Anushka Jha
Father's name :- Shyam Kishor Jha
Class :- BCA-I
Mob:- 7804025332

Name :- Bhavesh Turkane
Father's name :- Arvind Kumar Turkane
Class :- BCA-I
Mob:- 7974474847

खेल दिवस पर विप्र महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कारण नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अपार संभावनाएं -:डॉ. मेघेश तिवारी

विप्र कॉलेज में दीक्षारंभ समारोह

5 अगस्त छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में जो नवप्रवेशित विद्यार्थियों और पालकों के लिए दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया ।समारोह में सर्वप्रथम नवप्रवेशित विद्यार्थियों को तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने जो नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अपार संभावनाओं का द्वार खोलता है। 4 वर्षीय पाठ्यक्रम में आपने प्रवेश लिया है जो सेमेस्टर सिस्टम पर आधारित है। इस पद्धति के अनुसार आपका एक वर्ष का अध्ययन भी व्यर्थ नहीं जाएगा। प्रथम वर्ष पूर्ण करने पर आपको सर्टिफिकेट दिया जाएगा। 2 वर्ष का कोर्स होने पर आपको डिप्लोमा मिल जाएगा और 3 वर्ष में आप डिग्री के पात्र होंगे। साथ ही कौशल विकास राष्ट्रीय शिक्षा नीति का महत्वपूर्ण अंग है। सभी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति अध्ययन करते हुए किसी न किसी क्षेत्र में पूर्णता कुशलता अर्जित करने का अवसर देगा। जिससे आप स्वरोजगार द्वारा खुद आय अर्जित करके दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर प्रदान कर सकते हैं। इसके उपरांत महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं और विभाग की जानकारी डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. कैलाश शर्मा ,डॉ. दिव्या शर्मा एवं मोहित श्रीवास्तव ने प्रदान किया। खेल प्रभारी राजेश तिवारी ने विप्र कॉलेज में उपलब्ध खेल सुविधाओं की जानकारी विद्यार्थियों को दिया। लाइब्रेरियन प्रणिता शर्मा ने लाइब्रेरी में उपलब्ध सुविधाओं और ई लाइब्रेरी की जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रभारी अपूर्व शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना की क्रियाकलापों की जानकारी प्रदान की। नई शिक्षा नीति के प्रमुख तत्वों से समारोह का संचालन करते हुए डॉ. आराधना शुक्ला ने विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान किया। इसको उपरांत विद्यार्थियों से चर्चा के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अध्ययन अध्यापन में आने वाली समस्याओं और विद्यार्थियों का जिज्ञासा का समाधान अध्यापकों ने किया। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापकगण एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ बड़ी संख्या में सीनियर विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा में डॉ. मेघेश तिवारी हुए सम्मानित

रायपुरः सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा में दंडी श्रीमज्ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज के प्रथम चातुर्मास व्रत अनुष्ठान के अवसर पर विप्र कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी का शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय कार्य परिषद के सदस्य मनोनीत होने पर सम्मानित किया गया। डॉ.मेघेश तिवारी ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि सम्मान के रूप मेंदंडी स्वामी श्रीमज्ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज जी के आशीर्वाद से शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए नवीन उत्साह और ऊर्जा प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अंचल में विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभूतियों को भी सम्मानित किया गया।

''विप्र कॉलेज की निधि श्री शुक्ला को पीएचडी अवार्ड''

रायपुर 3 अगस्त. छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में सहायक प्राध्यापक निधि श्री शुक्ला ने पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में अपना पीएचडी 'एन एनालिटिकल स्टडी ऑन छत्तीसगढ़ स्टेट पावर होल्लिंग कंपनी इन द डेवलपमेंट ऑफ छत्तीसगढ़' विषय पर पूर्ण किया। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि यह हर्ष का विषय है कि विप्र कॉलेज में कार्यरत सहायक प्राध्यापक श्रीमती निधि श्री शुक्ला ने अपना पीएचडी वर्क विप्र कॉलेज के ही सहायक प्राध्यापक डॉ. आराधना शुक्ला के निर्देशन में पूर्ण किया। को –गाइड रिसर्च सेंटर गवर्नमेंट जे. वाय. छत्तीसगढ़ ऑटोनोमस कॉलेज रायपुर के प्राध्यापक डॉ. अशोक शर्मा रहे। निधि श्री शुक्ला , श्री समीर कुमार ठाकुर की पत्नी एवं श्री अंबर शुक्ला व श्रीमती प्रमिला शुक्ला की सुपुत्री है।

कॉलेज काउंसिल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य कौशल विकास द्वारा स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना-: प्रो. समीर भार्गव

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर व्याख्यान का आयोजन

3 जुलाई. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सुगम क्रियान्वयन और संवेदीकरण विषय के अंतर्गत व्याख्यान माला में मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता प्रो. समीर भार्गव (विभाग अध्यक्ष रक्षा अध्ययन विभाग महाराजा मानसिंह महाविद्यालय ग्वालियर) ने मध्य प्रदेश में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पूरी प्रक्रिया को विस्तार पूर्वक समझते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य मैकाले की बाबू बनाने वाली शिक्षा पद्धति को पूर्णता समाप्त करना है। विद्यार्थियों को पूर्णता स्वालंबी बनाने के लिए कौशल विकास पर जोर दिया गया है। यह भारत सरकार का बहुउद्देशी प्रोजेक्ट है। कोरोना काल में भी हिम्मत करके राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने वाला मध्य प्रदेश पहला राज्य है। इस वर्ष 3 वर्ष की डिग्री पूरा करके पहले बैच का परिणाम आ चुका है ।राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए प्राध्यापकों को परिवर्तन के लिए तैयार होना होगा और इसके हिसाब से अपनी तैयारी करनी होगी। उसके बाद ही विद्यार्थियों का मार्गदर्शन संभव हो सकता है। इस अवसर पर डॉ. गिरीश कांत पांडे (पूर्व कुल सचिव पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर) ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2050 तक के लिए लागू किया गया है तथा इसका विश्लेषण 2040 के बाद ही किया जा सकता है। इसलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार विद्यार्थियों को तैयार करने की पूर्णता जिम्मेदारी शिक्षकों की है। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि वर्तमान सत्र से छत्तीसगढ़ के महाविद्यालय में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर महाविद्यालय के शिक्षकों से चर्चा करके शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुसार विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को अनुकूल बनाना उपरोक्त व्याख्यान माला का उद्देश्य है। क्योंकि मध्य प्रदेश भारत का पहला राज्य है जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सर्वप्रथम लागू किया गया। अत: वहां के वरिष्ठ प्रोफेसर समीर भार्गव का अनुभव निश्चित ही हमारे लिए लाभदायक होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने में आने वाले व्यावहारिक समस्याओं को ज्यादा अच्छे से हम उनके द्वारा समझ सकते हैं ।इस अवसर पर विप्र कॉलेज समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहें।

महाविद्यालय की गतिविधियाँ बनी दैनिक अखबारों की सुर्खियाँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य कौशल विकास के साथ भारतीय मूल्यों से अवगत कराते हुए विद्यार्थियों को शिक्षित करना है

नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन

विप्र कॉलेज में दीक्षारंभ समारोह का हुआ आयोजन

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में डॉ. मेघेश तिवारी कार्य परिषद सदस्य मनोनीत

ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां स्टूडेंट रचनात्मक तरीके से सोचें: प्रो. प्रमोद

नेशनल कॉन्फ्रेंस दिशा कालेज और विप्र कालेज की ओर से नई शिक्षा नीति पर आयोजन

शिक्षा का अर्थ जीवन का निर्माण करना है : कुलपति

नई शिक्षा नीति 2020 पर दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस का हुआ समापन

विप्र कॉलेज में हुआ दीक्षारंभ समारोह

'B' GRADE ACCREDITED BY NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDIATION COUNCIL (NAAC) (19TH JUL 2023 TO 18TH JUL 2028)

Recognised by Higher Education, UGC and NCTE and Permanently Afiliated to Pt. Ravishankar Shukla, Raipur (C.G.)

✿ COMMERCE ✿ MANAGEMENT ✿ SCIENCE ✿ COMPUTER ✿ EDUCATION ✿ PHYSICAL EDUCATION ✿ YOGA

E-mail : vipracollge1996@gmail.com, Visit us : www.vipracollege.org

संपादक मण्डल :- डॉ. विवेक कुमार शर्मा, श्रीमती प्रणिता शर्मा, डॉ. कंचन मिश्रा, श्रीमती अपूर्वा शर्मा

विशेष सहयोग : एलुमनी एसोसिएशन, विप्र महाविद्यालय रायपुर